№ 517616 1988 Himachal Government R.S.

वसीयत नामा

Identified by Shri
Ishwar Dutt Lambardar
Pehri 3/9/90

मैं कि श्रीमति सामरा देवी विधवा श्री माहीया राम वासी चकाड़, नेड़जी तह, [illegible] की हूँ

जो कि मेरी आयु इस समय लगभग 55 साल की हो चुकी है, इस जिन्दगी नापायदार का कोई भरोसा नहीं कि किस वक्त और किस जगह मौत का बुलावा आ जाये, क्यों कि मैं औरत एक साल से बीमार रहती हूँ। मैं ला वल्द हूँ। मेरी सेवा श्री चन्दन सिंह पुत्र सुन्दर सिंह व श्री बाबू राम पुत्र श्री बहादुर सिंह वासी चकाड़ नेड़जी तह, [illegible] जो कि मेरे देवरों के लड़के हैं करते हैं, मैं अपनी जायदाद की वसीयत करना चाहती हूँ। अतः मुकिरा बसेहत नफ्स व सबात अक्ल होश व हवास बगैर किसी दबाव व बहकावे के बरजाय खुशी बजा वसीयत करती और लिख देती हूँ कि बाद वफात मेरे मेरी जुमला जायदाद मनकूला व गैर मनकूला हर किस्म जहां कहीं पर भी है या आइन्दा होगी के मालिक श्री चन्दन सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह व श्री बाबू राम पुत्र श्री बहादुर सिंह वासी चकाड़ नेड़जीतह, [illegible] बहिस्सा बराबर होंगे। दीगर किसी शख्स को मेरी जायदाद मनकूला व गैर मनकूला से कोई हिस्सा न होगा। और कोई शख्स दावेदार होगा तो वह झूठा होगा। और आइन्दा मेरे लेन देन का होगा। मान्दुगान मजकूर ही मेरे लेन देन के जिम्मेवार होंगे। और बाद वफात मेरे [illegible]

[illegible]

№ 517618 Himachal Government Judicial Paper

मुताबिक वसीयतनामा कोई के काबिज होगा। वसीयान
इसका का नाजायज़ को मरने के बाद होगा। अतः
यह वाद खिलाफ कानून वसीयत नामा के रद्द
तहसील का किये कि कार्य का काम ओक। दि० 5.2.90.

गवाह
श्री हरि दत्त पुत्र श्री ब्रह्मदत्त
मौजा मलैहटी नं.

श्रीमति सावित्री देवी
वसी

गवाह
श्री इन्द्र दत्त पुत्र श्री
बहादुर सिंह वासी
ग्राम पंचायत [illegible]
5914296